कक्षा - पाँच

ग्रीष्मकालीन कार्य

नोट - सभी कार्य स्वच्छ फाइल में करना है।

प्र० 1- निम्नलिखित विषयों पर निबन्ध लिखिए -
[शब्द सीमा 145 से 150]

क- कम्प्यूटर का महत्व ख- मेरा प्रिय खेल

प्र० 2- निम्नलिखित विषयों पर पत्र लिखिए -

क- अपनी प्रधानाचार्या जी को पत्र लिखिए, जिसमें गर्मी के दिनों में विद्यालय की एक घंटा पहले छुट्टी करवाने के लिए निवेदन किया जाए।

ख- अपनी कक्षा में प्रथम आने की सूचना देते हुए दादाजी/नानाजी को पत्र लिखिए।

प्र० 3- अपने घर के किसी बुजुर्ग व्यक्ति का साक्षात्कार लें। (उनके विद्यालय के अनुभव के विषय में)

ख- किसी चिकित्सक या सिपाही का साक्षात्कार लें। उनसे जानिए कि वह इस मंजिल तक कैसे पहुँचे।

प्र० 4- हिन्दी के किसी भी अख़बार से चित्र सहित समाचार काटें व समाचार का सार शब्दों में लिखें।

प्र० 5- छुट्टियों में 15 सुलेख लिखें।

प्र० 6- निम्नलिखित (वाक्यांशों के लिए एक शब्द) को याद करें।

* जो सदा सत्य बोलता हो - सत्यवादी
* जिसका भाग्य बहुत अच्छा हो - भाग्यवान
* जो बहुत बोलता हो - वाचाल
* भगवान को मानने वाला - आस्तिक
* भगवान को न मानने वाला - नास्तिक
* प्रतिदिन होने वाला - दैनिक
* वर्ष में एक बार होने वाला - वार्षिक
* जिसका कोई अर्थ न हो - निरर्थक
* जो सब कुछ जानता हो - सर्वज्ञ
* जो दूर की सोचे - दूरदर्शी

जिसका कोई आरंभ न हो - अनादि
जो पढ़ा-लिखा न हो - अनपढ़
जो पढ़ाता हो - शिक्षक
जो दूर की सोचे - दूरदर्शी
गाँव का रहने वाला - ग्रामीण
जहाँ पहुँचना कठिन हो - दुर्गम
जहाँ पहुँचना सरल हो - सुगम
देखने वाले - दर्शक
जिसका कोई अर्थ हो - सार्थक

प्र० 7- निम्नलिखित मुहावरों को अर्थ सहित याद करें ।

अपना उल्लू सीधा करना	—	अपना स्वार्थ सिद्ध करना
अक्ल पर पत्थर पड़ना	—	बुद्धि से काम न लेना
अगर - मगर करना	—	बहाना बनाना
अक्ल का दुश्मन	—	निपट मूर्ख
आकाश - पाताल एक करना	—	बहुत अधिक परिश्रम करना
अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मारना	—	अपना नुकसान स्वयं करना
आँखें दिखाना	—	डराना
ईंट से ईंट बजाना	—	नष्ट करना
ईद का चाँद होना	—	बहुत समय बाद दिखना
उल्लू बनाना	—	मूर्ख बनाना
घी के दीये जलाना	—	खुशी प्रकट करना
चमका देना	—	धोखा देना
जी चुराना	—	मन न लगाना
दाँत खट्टे करना	—	हराना
दाँतों तले उँगली दबाना	—	चकित रह जाना
पाँचों उँगलियाँ घी में होना	—	लाभ ही लाभ होना
फूला न समाना	—	बहुत प्रसन्न होना
भीगी बिल्ली बनना	—	डर जाना
लाल - पीला होना	—	क्रोध करना
गुदड़ी का लाल	—	निर्धन परंतु गुणी

प्र० 8 - निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची याद करो ।

गणेश —	गणपति ,	गजानन ,	लंबोदर
कमल -	जलज ,	पंकज ,	नीरज
आँख -	नयन ,	चक्षु ,	नेत्र
ईश्वर -	भगवान ,	प्रभु ,	ईश
चाँद -	शशि ,	राकेश ,	मयंक
दूध -	दुग्ध ,	गोरस ,	पेय
नदी -	सरिता ,	तटिनी ,	तरंगिनी
पृथ्वी -	भू ,	भूमि ,	धरा
कपड़ा -	पट ,	चीर ,	वस्त्र
पेड़ -	वृक्ष ,	तरु ,	विटप
आकाश -	नभ ,	अंबर ,	आसमान
पुत्र -	सुत ,	बेटा ,	नंदन
पुत्री -	सुता ,	बेटी ,	कन्या

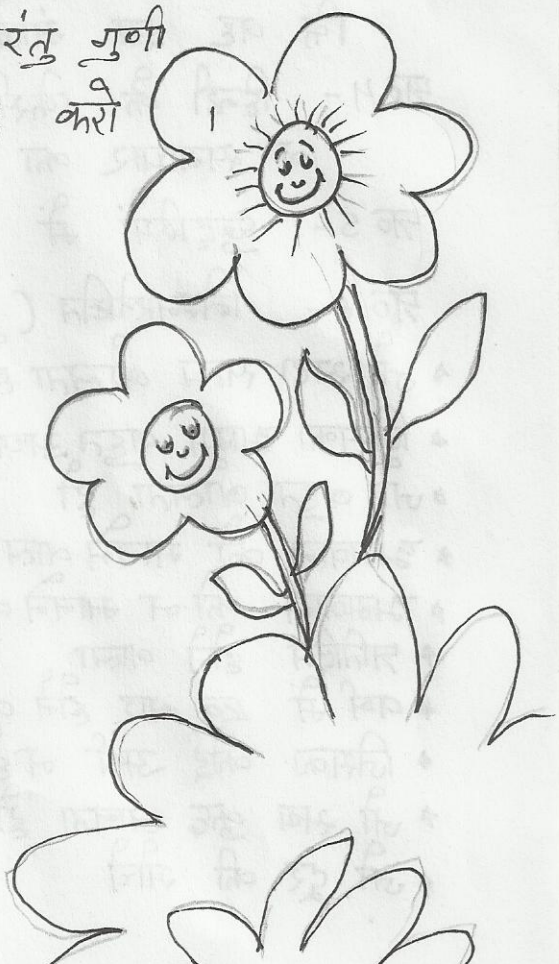

प्र० 9- निम्नलिखित विलोम शब्दों को याद करो ।

वरदान × अभिशाप
समीप × दूर
आदान × प्रदान
ठोस × तरल
विजय × पराजय
सज्जन × दुर्जन
प्रशंसा × निंदा
मानव × दानव
मौखिक × लिखित
जय × पराजय
कायर × वीर
स्वतंत्र × परतंत्र
कटु × मधुर
सुगंध × दुर्गंध
सरस × नीरस
आशा × निराशा
उचित × अनुचित
नवीन × प्राचीन
पाप × पुण्य
उदय × अस्त
आदर × निरादर
आकाश × पाताल
नरक × स्वर्ग
न्याय × अन्याय
विरोध × समर्थन
आरंभ × अंत

प्र० 10 - निम्नलिखित शब्दों के एकाधिक अर्थ याद करो ।

कल — मशीन , बीता हुआ या आने वाला दिन ।
फल — परिणाम , पेड़ का फल
बल — शक्ति , सिकुड़न
कनक — सोना , गेहूँ
मधु — मीठा , शहद
काल — समय , मृत्यु
हार — पराजय , गले का हार
गुरु — भारी , शिक्षक
अंबर — कपड़ा , आकाश
पत्र - पत्ता , समाचार पत्र
नाग - सर्प , हाथी
रक्त - खून , लाल
हरि - भगवान , शेर
तीर - बाण , नदी का किनारा
जल - जलना , पानी
मित्र — सखा , सहयोगी